Mujafar Nagar (F).qxd 26/08/13 3:33 PM Page 2

छाया: जितेंद्र गुप्ता

इज्जत के बदले इज्जत

मुजफ्फरनगर के कमहेड़ा गांव में महिला के साथ पूरे परिवार ने किया बलात्कार

मनीषा भल्ला

देश की राजधानी से चंद घंटों की दूरी पर है मुजफ्फरनगर का गांव कमहेड़ा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम बहुल आबादी वाले इस गांव में सन्नाटा पसरा है। बीते दिनों यहां जो हुआ उस बारे में गांव में कोई बात करने को राजी नहीं है। *आउटलुक* के लिए भी एक स्थानीय व्यक्ति के जरिये यहां के प्रधान मोहम्मद इमरान की इजाजत से ही गांव में जाना मुमकिन हुआ।

गांव में जाति व्यवस्था की जड़ें गहरी हैं और महिला अधिकारों का नाम भी कोई नहीं लेता। इसके बावजूद गांव की लड़की जाहिदा (बदला नाम) की हिम्मत दाद के काबिल है, जिसे पंचायत से न्याय नहीं मिला तो वह थाने में गई, वहां किसी ने नहीं सुनी तो वह एसएसपी ऑफिस गई और अपने साथ हुए जुल्म के खिलाफ एफआईआर करवाई। जाहिदा को उसके भाई के किए की सजा गांव के ही एक दबंग परिवार ने सामूहिक दुष्कर्म के रूप में दी और यह मामला पाकिस्तान की मुख्तारन माई के मामले के जैसा है। मुख्तारन माई के 12 वर्षीय भाई पर गांव के एक कबीले के लोगों ने अपने कबीले की लड़की के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया था और बदले में माई के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। मुख्तारन की तरह जाहिदा भी अब अन्याय का प्रतिकार करने के लिए खड़ी हुई है। वह कहती है, 'मेरे साथ जो हुआ मैं उसकी सजा दिलवाकर रहूंगी।'

प.उत्तर प्रदेश में परंपराओं के नाम पर अत्याचार सहतीं महिलाएं और जाहिदा

दरअसल जाहिदा का भाई नकीब (बदला हुआ नाम) इसी वर्ष 25 फरवरी को अपने पड़ोस की लड़की को लेकर गांव से भाग गया। दोनों में प्रेम संबंध थे। जाहिदा की मां नसीमा का कहना है, 'दोनों परिवारों को इस बारे में जानकारी थी। मैंने लड़की के पिता फतेह से कई दफा कहा कि अपनी लड़की या हमें दे दो या इसका कहीं निकाह कर दो। इस पर फतेह ने कहा कि तुम्हें लड़की देने से अच्छा मैं इसे काटकर नहर में फेंक दूंगा।' दोनों परिवार एक ही बिरादरी के हैं। दिल्ली आकर नकीब ने अपनी माशूका से निकाह कर लिया। उसकी मां नसीमा का कहना है कि मैंने नकीब को गांव आने से मना कर दिया है, वो जिस दिन गांव आएगा उस दिन मार दिया जाएगा।

इस घटना के बाद गांव में पंचायत बैठी। जाहिदा के परिवार वालों का कहना है कि पंचायत में फतेह का पक्ष लेने वाले लोग ज्यादा थे क्योंकि उसका परिवार पैसे वाला और दबंग है। पंचायत में मोहम्मद फतेह ने कहा कि हमें लड़की के बदले लड़की चाहिए। नकीब की तीन बहनें हैं जिनमें से उसकी सबसे छोटी बहन जाहिदा कुंवारी थी। पंचायत ने फैसला सुनाया कि जाहिदा का निकाह फतेह के छोटे लड़के मोहम्मद सैदाब से कर दिया जाए। सैदाब पेशे से ड्राइवर है। हालांकि गांव के प्रधान मोहम्मद इमरान का दावा है कि पंचायत ने अपनी तरफ से यह फैसला नहीं सुनाया है। इसपर दोनों पक्ष राजी थे। लेकिन जाहिदा के भाई और मां कहती हैं कि हम कतई नहीं चाहते थे कि जाहिदा का निकाह फतेह के बेटे से किया जाए। यह फैसला पंचायत का ही था। जाहिदा के भाई का कहना है कि पंचायत के फैसले के बाद फतेह और उसके परिवार के कुछ मर्द हमारे घर आए और बंदूक की नोक पर जाहिदा को ले गए। उस समय घर पर जाहिदा और उसकी मां अकेली थीं।

इसी शाम जाहिदा का निकाह फतेह के लड़के सैदाब से कर दिया गया। लड़के वालों ने यह कहते हुए 75,000 रुपये भी वसूले कि उनकी बेटी घर से पैसे और गहनें लेकर भागी है। जाहिदा के भाइयों ने फतेह को यह रुपया ब्याज पर लेकर दिया। *आउटलुक* से बातचीत में जाहिदा ने बताया कि निकाह के बाद ससुराल में उसे खूब तंग किया गया। उसके साथ मारपीट की जाती। उसे किसी से मिलने-जुलने की इजाजत नहीं थी। एक दिन जब उसका पति गाड़ी लेकर बाहर गया हुआ था तब उसका एक नंदोई और दो जेठ उसके कमरे में घुस आए और उसके साथ बलात्कार किया। उसके बाद उन्होंने कहा कि हमने अपनी लड़की का बदला ले लिया है। इज्जत का बदला इज्जत। जाहिदा ने अपनी जेठानियों और सास से मदद की गुहार लगाई तो उन्होंने कहा कि इस घर में हम तुम्हें जैसे रखेंगे वैसे ही रहना होगा। आखिर एक दिन शौच जाने के बहाने जाहिदा मौका मिलते ही अपने घर भाग आई और उसने सारी घटना अपनी मां को बताई।

जाहिदा की मां बेटी को लेकर उन पंचों के पास गई जिन्होंने जाहिदा को फतेह को देने का फैसला सुनाया था। मां-बेटी का आरोप है कि किसी पंच ने उनकी एक नहीं सुनी। सभी ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि फतेह तो किसी की सुनता ही नही, अपनी मनमानी करता है। लेकिन इस गरीब और अशिक्षित मां-बेटी ने ठान लिया कि न्याय लेकर रहेंगे। जाहिदा का कहना है कि वह और उसका भाई थाने गए जहां किसी ने उनकी नहीं सुनी। तब ये लोग मुज्जफरनगर के एसएसपी ऑफिस गए। जहां जाहिदा के बयान दर्ज कराने के बाद उन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया जिन्होंने उसके साथ बलात्कार किया था। लेकिन पुलिस की कार्रवाई का आलम यह है कि मामले में अभी तक एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। फिलहाल फतेह का पूरा परिवार फरार है। उसके गांव वाले घर पर ताला जड़ा है। गांव में जाहिदा के परिवार के हिमायती लोग कम ही हैं। दूसरी ओर फतेह के परिवार ने जाहिदा के परिवार पर एक केस दर्ज करवा दिया है कि जाहिदा के भाइयों ने उनकी बहू का अपहरण करवा दिया है। (हालांकि फतेह की बहू अपने मायके में है।)

जाहिदा अब ससुराल नहीं जाएगी। उसे फतेह के एक बेटे से ब्याहा था, न कि कुटुंब से।

जाहिदा की मां का कहना है कि फतेह के परिवार वाले जाहिदा को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं ताकि केस वापस लेने के लिए उस पर दबाव बना सकें। इसलिए जाहिदा आजकल अपने घर पर भी नहीं रह रही। उन्होंने कहा, कुछ भी हो जाए हम बेटी को ससुराल नहीं भेजेंगे। उन्होंने निकाह नहीं किया है बल्कि अपनी बेटी का बदला लिया है। वह कहती हैं 'हमने उनके एक बेटे को अपनी बेटी ब्याही थी न कि सारे कुटुंब से।' प्रधान इमरान का कहना है कि हमारे पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है कि हम फतेह को पंचायत में जबरन बुला सकें। जहां तक बात पीड़िता की है तो कोई भी पीड़ित व्यक्ति हमारे पास आ सकता है। पंचायत के ही सदस्य मोहम्मद साजिद और मोहम्मद फुरकान का कहना है कि दोनों बच्चों में प्रेम प्रसंग था। दोनों के परिवारों को भी पता था कि दोनों भाग सकते हैं। दोनों के रिश्तेदार पंचायत में बैठे जहां फतेह ने शर्त तय की। उसने लड़की के बदले लड़की और पैसे की मांग की। वह कहते हैं कि फतेह ने गलत किया लेकिन यह भी सच है कि जाहिदा के परिवार की मदद के लिए पंचायत का कोई सदस्य आगे नहीं आया है। इनके वकील राजेंद्र सैनी का कहना है, सामूहिक बलात्कार, मारपीट और जान से मारने की धमकी का केस तो दर्ज हो गया है। लेकिन कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। ●

मुंबई में फिर दरिंदगी

मुंबई में एक युवा फोटो पत्रकार के साथ जिस तरह से बीच शहर में सामूहिक बलात्कार की घटना हुई, उसने महिला पत्रकारों सहित आम महिलाओं की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। इस युवा पत्रकार ने बहादुरी के साथ पुलिस को जिस तरह से पांच आरोपियों का ब्यौरा दिया और खुद सचेत रहकर पुलिस की कार्रवाई पर निगाह रखी, उसकी वजह से आरोपी जल्द गिरफ्तार हो गए। इस दरिंदगी ने एक बार फिर देश भर में महिलाओं की सुरक्षा और महिला पत्रकारों के काम के दौरान सुरक्षा से जुड़े अहम सवाल उठाए हैं।

यह बाइस वर्षीय पत्रकार एक अंग्रेजी लाइफ स्टाइल मैगजीन में इंटर्नशिप कर रही थीं और फोटो शूट के लिए महालक्ष्मी इलाके में बंद पड़ी शक्ति मिल में फोटो खींचने गई थीं। उनके साथ एक सहयोगी भी था और उन्होंने रास्ते में जिन लोगों से शक्ति मिल का रास्ता पूछा था, वे ही अपराधी निकले। पकड़े गए पांचों अपराधियों का यौन अपराध करने का इतिहास रहा है। उन्होंने अपने

अपराध की अश्लील वीडियो रिकॉर्डिंग भी की थी और यह धमकी दी थी कि अगर लड़की ने इसके बारे में खबर की तो वे इस रिकॉर्डिंग को सार्वजनिक कर देंगे। हैरानी की बात है कि इन पांचों अपराधियों का इस तरह का आपराधिक रिकॉर्ड था और वे बलात्कार जैसे जघन्य कांड कर चुके थे। इससे पहले भी इसी तरह की बलात्कार की मोबाइल पर वीडियो रिकॉर्डिंग करके पीड़िता को धमका कर मामला रफा-दफा कराते रहे हैं। पीड़िता की मदद से पुलिस ने पांचों आरोपियों के स्कैच जारी किए थे, उसी आधार पर एक आरोपी की गिरफ्तारी भी हुई थी। ये पांचों शक्ति मिल के पास की बस्ती के ही रहने वाले थे। इस कांड के बाद मुंबई सहित देश भर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें आरोपियों को कड़ी सजा देने के साथ-साथ पीड़िता के सम्मान की रक्षा करने और इस कांड को एक फोटो पत्रकार बलात्कार कांड के बजाय शक्ति मिल बलात्कार कांड कहे जाने की मांग उठी।

इसी तरह की दरिंदगी हरियाणा के जींद जिले में दोहराई गई। यहां 19 वर्षीय एक दलित छात्रा के साथ बलात्कार करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस कार्रवाई और पोस्टमार्टम में देरी से ग्रामीणों में आक्रोश भड़क उठा, पुलिस ने लाठीचार्ज किया। यह छात्रा परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी और रास्ते में यह घटना हुई।

भाषा सिंह